शिल्पकारों को उचित प्राथमिकता दी जायेगी।

खादी और ग्रामोद्योग आयोग द्वारा ग्रामीण औद्योगिक परिसरों का निर्माण

839. **श्री राम जेठमलानी :**
सरदार जगजीत सिंह अरोड़ा :

क्या **उद्योग** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि गांवों में रोजगार के अवसरों को बढ़ावा देने के लिये खादी और ग्रामोद्योग आयोग ने देश भर में ग्रामीण औद्योगिक परिसरों की स्थापना किये जाने का निश्चय किया है ;

(ख) यदि हां, तो इस योजना के अन्तर्गत चालू वर्ष के दौरान बनाये जाने वाले प्रस्तावित औद्योगिक परिसरों की संख्या कितनी है ;

(ग) क्या सरकार ने इन परिसरों की स्थापना के लिये प्राथमिकता देने संबंधी कोई मापदंड निर्धारित किये हैं, और

(घ) यदि हां, तो उनका ब्यौरा क्या है तथा इस वर्ष के दौरान सभी परिसरों की स्थापना तथा उनके प्रबंध पर कितनी धनराशि खर्च किये जाने की संभावना है ?

उद्योग मंत्रालय में लघु उद्योग एवं कृषि और ग्रामीण उद्योग विभाग में राज्य मंत्री (श्री श्रीकांत जेना) : (क) जी, हां।

(ख) चालू वर्ष के दौरान खादी तथा ग्रामोद्योग आयोग की विभिन्न योजनाओं के अन्तर्गत ऐसे 100 गांव औद्योगिक परिसर स्थापित करने का प्रस्ताव है।

(ग) और (घ) खादी तथा ग्रामोद्योग आयोग द्वारा विभिन्न राज्य सरकारों से परामर्श करके इन परिसरों की स्थापना की जा रही है।

विमान परिचारिकाओं को शौर्य पुरस्कार

840. **श्रीमती सूर्यकान्ता पाटील** : क्या **नागर विमानन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि इस वर्ष 14 फरवरी, को बंगलौर में विमान दुर्घटना के समय दो विमान परिचारिकाओं द्वारा उनके साहसिक कार्य के लिये सरकार द्वारा अभी तक उन्हें कोई नकद अथवा शौर्य पुरस्कार नहीं दिया गया है ;

(ख) यदि हां, तो उसके क्या कारण हैं ; और

(ग) क्या सरकार इन दो विमान परिचारिकाओं को सम्मानित करने के लिये कोई शौर्य पुरस्कार देने का विचार रखती है ?

ऊर्जा मंत्री साथ में नगर विमानन मंत्रालय का अतिरिक्त प्रभार (श्री आरिफ मोहम्मद खान) : (क) जी, हां।

(ख) और (ग) इस संबंध में इंडियन एयरलाइंस से एक प्रस्ताव हाल में प्राप्त हुआ है।

हांफकिन फार्मास्यूटिकल्स के क्रिया-कलाप

841. **श्रीमती सूर्यकांता पाटील** : क्या **स्वास्थ्य और परिवार** कल्याण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार का ध्यान दिनांक 11 जुलाई, 1990 के "महाराष्ट्र टाइम्स" के बम्बई संस्करण में महाराष्ट्र 'स्थित' "हांफकिन फार्मास्यूटिकल्स" नामक कम्पनी, जो जीवन रक्षक औषधियों का निर्माण करती है के संबंध में प्रकाशित इस आशय

के समाचार की ओर दिलाया गया है कि कम्पनी द्वारा वितरकों को अवैध रूप से कमीशन दिये जाने के कारण अनियमितताएं की गई हैं; और

(ख) यदि हां, तो उसका ब्यौरा क्या है, तथा इस संबंध में सरकार द्वारा क्या कार्यवाही की जा रही है?

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री रशीद मसूद) : (क) और (ख) हैफकिन इंस्टीटयूट, बम्बई, महाराष्ट्र सरकार के अधीन एक स्वायत्त संगठन है। यह मामला पूरी तरह से राज्य सरकार के कार्य-क्षेत्र में आता है।

लोक नायक जयप्रकाश नारायण अस्पताल, दिल्ली को संदूषित ग्लूकोज बोतलों की सप्लाई

842. **श्रीमती सूर्यकांता पाटील**: क्या स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि लोक नायक जयप्रकाश नारायण अस्पताल, दिल्ली में रोगियों को दिये जाने वाले ग्लूकोज की एक बोतल में फफूंदी पाई गई थी ;

(ख) यदि हां, तो इस संबंध में ब्यौरा क्या है ;

(ग) क्या यह भी सच है कि फरीदाबाद की यह विशिष्ट कम्पनी पहले भी ग्लूकोज की बोतलें सप्लाई करती थी जिसमें फफूंदी पाई गई थी तथा इस तथ्य के बावजूद भी इस कम्पनी को अभी तक कालीसूची में दर्ज नहीं किया गया है ; और

(घ) यदि भाग (ग) का उत्तर हां है तो उसके क्या कारण हैं तथा इस विषय में क्या कार्यवाही किये जाने का विचार है?

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय का राज्य मंत्री (श्री रशीद मसूद): (क) जी, हां।

(ख) सूचना विवरण में दी गई है। (नीचे देखिए)

(ग) और (घ) तथ्यों का पता लगाया जा रहा है।

विवरण

1. आरोपित बैचों को वापस ले लिया गया है और उनके उपयोग को रोक दिया गया है।

2. संबंधित फर्म की सप्लाईयों को रोक दिय गया है। संबंधित फर्म धावसन फार्मास्यूटिकल्स पूर्ति और निपटान महानिदेशालय की अनुमोदित निर्धारित दर पर माल देती है।

3. मिलावट से संबंधित बैच निर्जीवाणुता परीक्षण के लिये सरकारी अनुमोदित प्रयोगशालाओं/सूक्ष्म-जीव विज्ञान प्रयोगशाला मौलान आजाद मेडिकल कालेज को भेजे गये थे।

4. उक्त फर्म द्वारा सप्लाई किये गये और स्टाक में रखे गये मिलावट वाले विभिन्न बैच परीक्षण के लिये सरकारी अनुमोदित प्रयोगशालाओं को भेजे गये हैं।

5. यहां यह भी बताया जाता है कि प्रत्येक बैच से नेमी यादृच्छिक नमूनों को सरकार द्वारा अनुमोदित प्रयोगशालाओं/सूक्ष्म जीव विज्ञान विभाग, मौलाना आजाद मेडिकल कालेज को विश्लेषण के लिये भेजा जाता है।

6. नये सप्लाईकर्ता (बंगाल इम्युनिटि, भारत सरकार का एक उपक्रम) से प्रत्येक बैच की एक जांच रिपोर्ट के साथ सप्लाईयां प्राप्त हो रही है।